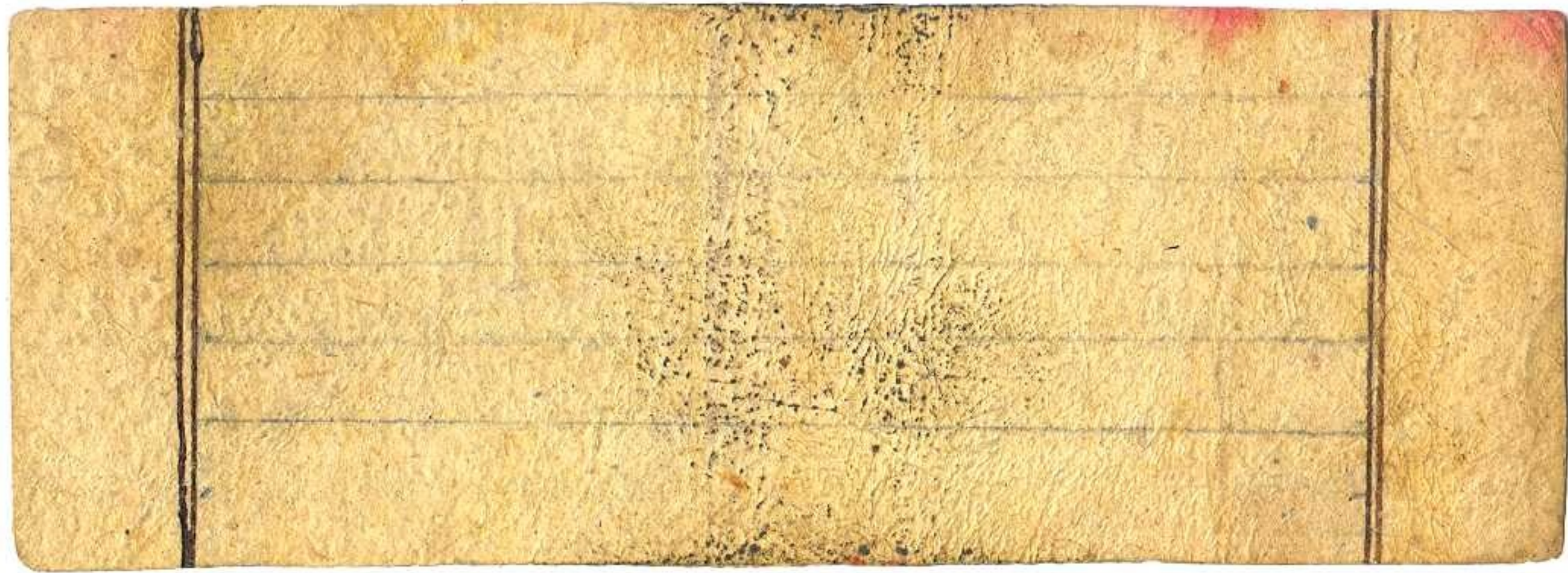




गा

ॐ नमो ब्रह्मव्यास ॥ नमो साय ॥ ॥ नमो साय ननु विजः पुताय त
य नाथ नि ॥ नुपसर्वाथ दिनायः स्वाहा काय नमो सुत ॥ १ ॥ नमो
ननु विजः कुहायुति निरु कदा ॥ सेलाय नाथ वक्राकः वि क
सत्केषाया ह वै ॥ २ ॥ नमः शतशत ननु दः संपूर्णा यत लोचन ॥
नाया सहस्र कि नदा प्रहसस्ति नरा को ल ॥ ३ ॥ नमो कनकनि

॥ १ ॥

लाकु पाशि पद्म विरूषि न ॥ दानवीर्य नपः नमिः तिति डा
ध्या नराय चय ॥ ४ ॥ नमो साय ननु विजः पुताय ननु चा वि
तिः निःशेष पात्र मा प्राफे कि नपुत्र निषे विरु ॥ ५ ॥ नमो
नाय हं काय पुत्रि नाथ दिग नय ॥ सफ लोका कमा कान
निःशेषा कर्षे हाकु म ॥ ६ ॥ नमः शतशत ननु दः संपूर्णा यत लोचन ॥

गा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ हूतं वैताल गंधर्व गण यक्ष प्रजस्तुत ॥ ७ ॥ नमः स्तुति
निद्रा लोकाय यक्ष प्रमदनी ॥ पुण्याली उषद न्यास विद्या
ला कुल कुल ॥ ८ ॥ नमस्तुत महा धातु वीज मातृ विनाशने ॥
हृत्कृति कृत वक्राकुः सर्वथा कृति सुदति ॥ ९ ॥ नमः स्तुति जल
मूला कुल प्रसक्तु लिखित ॥ हृषिकेश भदिः कृत्वा निकर्त

॥ २ ॥

प्रसक्तु कुल ॥ १० ॥ नमः प्रभु दिनाद्य यमू कुल किमू मा लि
नि ॥ हस्त पुत्र नैव दत्त मातृ लोक वशी क जि ॥ ११ ॥ नमः स
मन्तु लोका लपन लो कर्षण क्रम ॥ वल हृत्कृदि ई कातृ सर्वाप
द विभा च नि ॥ १२ ॥ नमः श्री स्वपुत्रा यन्दु मू कुल लोका क
ल ॥ अमिता लजरा तातृ सा स्वजः किन हस्त हृत्वा ॥ १३ ॥ नमः क

ना

लोककुरुगुरुकालामालाकरस्थिति॥ अलीउमृदिमावकुमि
 पूचकविनाथनि॥ १४॥ नमकचमलाद्यामचजहमहवस्तन
 ॥ रुकुटीकुतईकाचसकपागालहृदनि॥ १५॥ नमः शिव
 ठुसठमकेठमकेनिवीहगचन॥ स्वाहाप्रनवसंदूकेमहा
 पानकनाथनि॥ १६॥ नमः प्रमृदिमावकुविष्णुगुप्रसद

॥३॥

ना

नि॥ १६॥ अजयपदल्यासविद्याईकाचदीदिमा॥ १७॥ प्रगुका
 मालहृदगुवनकाभालहृदनी॥ सर्वकामानवाप्तातिनवि
 धेः प्रमिहयन॥ १८॥ ठुमिसम्यक्कुरुसापिनंतगव
 त्याय्यनायायानमस्काजेकविंठाकसातंसंपूरु॥ १९॥

॥४॥

II-125 'B'

धमरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार